SHRI RENTHLEI LALRAWNA

Shri Renthlei Lalrawna, Chief Editor of Gilzom Publication, known for his relentless efforts in promoting Mizo language and literature.

2. Born on 22nd December 1940, in a small Village Dawn, in Lunglei District of Mizoram, Shri Lalrawna received his Bachelore's Degree from Pachhunga Memorial College in 1963 and Master Degree from Gauhati University in 1975. He started his profession as LDC and promoted upto Joint Director, School Education and retired from service on 1st January,2003.

3. Shri Lalrawna is prominent novelist, essayist, critic and fiction writer. He published 14 volumes of his own authorship, and 15 volumes of his translation from English literature. Out of his works, 2 books and one essay are prescribed by Mizoram Board of School Education (MBSE) and Mizoram University in their respective syllabi.

4. Understanding the dearth of Mizo literature for academic purposes, Shri Lalrawna translated some books written by famous writers like William Shakespeare, Mary Correlli, Lloyd C. Douglas, Jules Verne, Franklin G Slaughter, John Bunyan and some other writers. He met Mother Teresa at Calcutta and wrote a book on her and her Missionaries of Charity. His compilation of Mizo songs called 'Mizo Rohlu' is widely used and highly appreciated.

5. Shri Lalrawna is also recognised as an educationist. While serving in Education Department, he took steps to produce Text Books for Adult Education Wing, drew up a good Action Plan; set out on state-wide literacy campaign; built up good convergent with NGOs like YMA, MHIP, Churches, V.C. etc. towards the promotional programmes of Adult Education. With his inexorable efforts the literary percentage rate of 59% in 1981 Census, Mizoram hurdled up to 88.49% in the 1991 Census and thereby claimed 2nd position amongst the Indian States. He was the President of Mizo Writers Association and is an expert member of Mizoram Publication Board and Member of the Mizo Language Committee.

6. In recognition of Shri Lalrawna's outstanding contribution towards the development of Mizo language and literature, he was awarded Literary Award by Mizo Writers Association. Sahitya Akademi also conferred its Bhasha Samman for the year 2023 on him for his outstanding contribution to the development and promotion of Mizo language on 29thAugust, 2024.

श्री रेंथ्लेइ ललरोना

गिलज़ोम पब्लिकेशन के मुख्य संपादक श्री रेंथ्लेइ ललरोना मिजो भाषा और साहित्य को बढ़ावा देने के अपने अथक प्रयासों के लिए जाने जाते हैं।

2. 22 दिसंबर, 1940 को मिजोरम के लुंगलेई जिले के एक छोटे से गांव डॉन में जन्मे, श्री ललरोना ने 1963 में पाछुंगा मेमोरियल कॉलेज से स्नातक की डिग्री और 1975 में गुवाहाटी विश्वविद्यालय से मास्टर डिग्री प्राप्त की। उन्होंने एलडीसी के रूप में नौकरी शुरू की और संयुक्त निदेशक, स्कूल शिक्षा के पद तक पहुंचे। 1जनवरी, 2003 को वह सेवानिवृत्त हुए।

3. श्री ललरोना एक प्रसिद्ध उपन्यासकार, निबंधकार, आलोचक और कथा लेखक हैं। उन्होंने अपने लेखन के 14 खंड और अंग्रेजी साहित्य से अपने अनुवाद के 15 खंड प्रकाशित किए हैं। उनकी रचनाओं में से 2 पुस्तकें और एक निबंध मिजोरम बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन (एमबीएसई) और मिजोरम विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में पढ़ाए जा रहे हैं।

4. शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए मिजो साहित्य के अभाव को समझते हुए, श्री ललरोना ने विलियम शेक्सपियर, मैरी कोरेली, लॉयड सी. डगलस, जूल्स वर्ने, फ्रैंकलिन जी स्लॉटर, जॉन बन्यन और कुछ अन्य जैसे प्रसिद्ध लेखकों द्वारा लिखी गई कुछ पुस्तकों का अनुवाद किया। उन्होंने कलकत्ता में मदर टेरेसा से मुलाकात की और उन पर तथा उनकी मिशनरीज ऑफ चैरिटी पर एक किताब लिखी। 'मिजो रोहलू ' नामक मिजो गीतों का उनका संकलन काफी लोकप्रिय और प्रशंसित है।

5. श्री ललरोना को एक शिक्षाविद् के रूप में भी जाना जाता है। शिक्षा विभाग में अपनी सेवाएं देने के दौरान, उन्होंने वयस्क शिक्षा विंग के लिए पाठ्य पुस्तकें तैयार करने के लिए कदम उठाए, एक अच्छी कार्य योजना तैयार की; राज्यव्यापी साक्षरता अभियान की शुरुआत की; वयस्क शिक्षा के प्रचार कार्यक्रमों के लिए वाईएमए, एमएचआईपी, चर्च, वीसी आदि जैसे गैर सरकारी संगठनों के साथ तालमेल किया। उनके अथक प्रयासों से 1981 की जनगणना में मिजोरम की 59% की साहित्यिक प्रतिशत दर 1991 की जनगणना में 88.49% तक पहुंच गई और इस तरह भारतीय राज्यों में दूसरा स्थान प्राप्त किया। वह मिजो राइटर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष थे, और मिजोरम प्रकाशन बोर्ड के विशेषज्ञ सदस्य और मिजो भाषा समिति के सदस्य हैं।

6. मिजो भाषा और साहित्य के विकास में श्री ललरोना के उत्कृष्ट योगदान के सम्मान में उन्हें मिजो राइटर्स एसोसिएशन द्वारा साहित्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया। साहित्य अकादमी ने भी मिजो भाषा के विकास और संवर्धन में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए 29 अगस्त, 2024 को वर्ष 2023 के लिए उन्हें भाषा सम्मान से सम्मानित किया।